भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.07.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 668 का उत्तर

ओडिशा में चालू/लंबित रेल परियोजनाएं

668. डॉ. राजश्री मल्लिक:

श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में, विशेषरूप से ओडिशा में चालू और लंबित रेल परियोजनाओं का जगतसिंहपुर परियोजना सहित क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) जगतसिंहपुर सहित ओडिशा में नई लाइनों/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण की विकास परियोजनाओं हेतु वर्तमान वर्ष के दौरान निर्धारित लक्ष्य का ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान ओडिशा में रेल परियोजनाओं के विकास हेतु आबंटित/उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(घ) रेलवे द्वारा ओडिशा में उक्त लंबित रेल परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) उपरोक्त में से कितनी परियोजनाएं निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं; और

(च) इन परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

ओडिशा में चालू/लंबित रेल परियोजनाओं के संबंध में 20.07.2022 को लोक सभा में डॉ. राजश्री मल्लिक और श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी के अतारांकित प्रश्न सं. 668 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च) रेल परियोजनाएं राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत-निष्पादित की जाती हैं, क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हुई हैं।

01.04.2022 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 7.33 लाख करोड़ की लागत वाली 49,323 किलोमीटर लंबाई की 452 रेलवे परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 11,518 किलोमीटर लंबाई का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और मार्च, 2022 तक लगभग 2.35 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इनमें शामिल हैं:-

(i) **लगभग 4.0 लाख करोड़ रु. की लागत से 20,937 किलोमीटर लंबाई की 183 नई लाइन परियोजनाओं में से 2,831 कि.मी. लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक लगभग 1.13 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है।**

(ii) **50,250 करोड़ रु. की लागत से 5,667 किलोमीटर की लंबाई की 42 आमान परिवर्तन परियोजनाओं में से 3,488 कि.मी. लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक 19,235 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।**

(iii) **लगभग 2.83 लाख करोड़ रु. की लागत से 22,719 किलोमीटर लंबाई वाली 227 दोहरीकरण परियोजनाओं में से 5,199 कि.मी. लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक लगभग 1.02 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है।**

ओडिशाः

01.04.2022 की स्थिति के अनुसार, ओडिशा में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 4,609 कि.मी. लम्बाई की लगभग 55,759 करोड़ रु. लागत की 35 परियोजनाएं (11 नई लाइनें, 1 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण परियोजनाएं) हैं, जो योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1039 कि.मी. लंबाई को यातायात के लिए पूरा कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक 21,729 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

ओडिशा को पूर्वतट रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा कवर किया जाता है। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार विवरण जिसमें लागत, व्यय और परिव्यय शामिल है, भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात www.indianrailways.gov.in >Ministry of Railways > Railway Board > About Indian Railways > Railway Board Directorates >Finance (Budget) >Rail Budget/Pink Book (Year)> Railway wise Works Machinery and Rolling Stock Programme पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

किसी भी परियोजना(ओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, लागत में हिस्सेदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत में हिस्सेदारी को जमा करना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना(ओं) के समापन समय को प्रभावित करते हैं जिनकी अंतिम गणना समापन समय पर की जाती है। इसलिए

परियोजनाओं को पूरा होने की निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है। बहरहाल, परियोजनाओं के शीघ्र समापन हेतु रेलों द्वारा सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्ष 2014 से, रेल बजट आवंटन में पर्याप्त वृद्धि की गई है और तदनुसार, परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं। 2014-19 के दौरान, ओडिशा में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन, 2009-14 के दौरान, 838 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2014-19 के दौरान 4126 करोड़ रुपए प्रति वर्ष किया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 392% अधिक है। इन आबंटनों को वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़ाकर 4,568 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 445% अधिक) और वित्त वर्ष 2020-21 में बढ़ाकर 5,296 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 532% अधिक) कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु 6,471 करोड़ रु. का बजट आवंटन मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट आवंटन की तुलना में 672% अधिक है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु अभी तक का सर्वाधिक 9,734 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट परिव्यय की तुलना में 1062% अधिक है (838 करोड़ रु. प्रति वर्ष)।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों में शामिल है (i) गति शक्ति इकाइयों की स्थापना (ii) परियोजनाओं की प्राथमिकता (iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि (iv) क्षेत्रीय स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की बारीकी से निगरानी, और (vi) भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी में तेजी लाने

और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई। इसके परिणामस्वरूप 2014 के बाद से कमीशनिंग की दर में काफी वृद्धि हुई है।

वर्ष 2014 से नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाएं शुरू करने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2009-14 के दौरान ओडिशा राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 267 कि.मी. खंड (56 कि.मी. नई लाइन, 83 कि.मी. आमान परिवर्तन और 128 कि.मी. दोहरीकरण) को 53.40 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर पर यातायात के लिए खोल दिया गया है। 2014-22 के दौरान इन कमीशनिंग को 141.88 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर से बढ़ाकर 1135 कि.मी. (264 किमी नई लाइन और 871 कि.मी. दोहरीकरण) कर दिया गया है, जो 2009-14 (53.40 कि.मी./वर्ष) के दौरान हासिल की गई औसत वार्षिक कमीशनिंग से 166% अधिक है।

******